Unit 2: उपभोक्ता व्यवहार और मांग (Part 4)

मांग की कीमत लोच

लोच का अर्थ है वस्तु में घटने या बढ़ने की प्रवृत्ति।

मांग की कीमत लोच (Price Elasticity of Demand)

एक वस्तु की कीमत में परिवर्तन के कारण उस वस्तु की मांग में सापेक्षिक परिवर्तन को मांग की कीमत लोच कहते हैं।

प्रो. मार्शल के अनुसार, "मांग की लोच का बाजार में कम या अधिक होना इस बात पर निर्भर करता है कि वस्तु की कीमत में एक निश्चित मात्रा में परिवर्तन होने पर उसकी मांग में सापेक्ष रूप से अधिक या कम अनुपात में परिवर्तन होता है"।

सूत्र

मांग की कीमत लोच =

$$\frac{\text{वस्तु की मांग में होने वाला प्रतिशत परिवर्तन}}{\text{वस्तु की कीमत में होने वाला प्रतिशत परिवर्तन}}$$

$$E_d = \frac{\Delta Q}{\Delta P} \times \frac{P}{Q}$$

ΔQ मांग में परिवर्तन   Q- आरंभिक मांग

ΔP कीमत में परिवर्तन   P - आरंभिक कीमत

मांग लोच की श्रेणियाँ (Degrees of Elasticity of Demand)

मांग लोच की पांच श्रेणियों होती है:

1.	सापेक्षता लोचदार मांग
2.	सापेक्षता बेलोचदार मांग
3.	इकाई लोचदार मांग
4.	पूर्णतः बेलोचदार मांग
5.	पूर्णतः लोचदार मांग

सापेक्षता लोचदार मांग (Relatively Elastic Demand)

जब किसी वस्तु की कीमत में परिवर्तन होने के फलस्वरूप उसकी मांग में अधिक आनुपातिक परिवर्तन हो जाता है। तब ऐसी वस्तु की मांग को सापेक्षता लोचदार मांग कहते हैं। $(E_d > 1)$

$$\frac{\Delta Q}{Q} > \frac{\Delta P}{P}$$

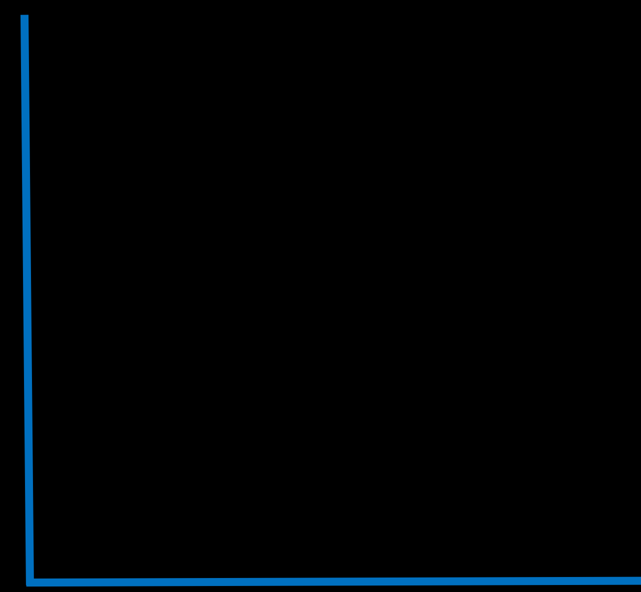

सापेक्षता बेलोचदार मांग (Relatively Inelastic Demand)

जब किसी वस्तु की कीमत में परिवर्तन के फलस्वरूप उसकी मांग में कम आनुपातिक परिवर्तन होता है तब ऐसी वस्तुओं की मांग को सापेक्षता बेलोचदार मांग कहते हैं। हैं। $(E_d < 1)$

$$\frac{\Delta Q}{Q} < \frac{\Delta P}{P}$$

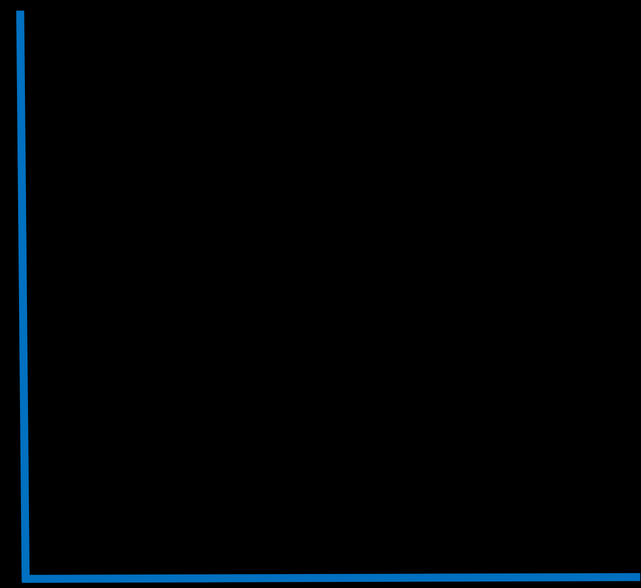

इकाई लोचदार मांग (Unit Elastic Demand)

जब किसी वस्तु की कीमत में परिवर्तन के परिणामस्वरूप उसकी मांग में भी उसी अनुपात में परिवर्तन होता है, तब ऐसी वस्तुओं की मांग को इकाई लोचदार मांग कहा जाता है। हैं। $(E_d = 1)$

$$\frac{\Delta Q}{Q} = \frac{\Delta P}{P}$$

पूर्ण बेलोचदार मांग (Perfectly Inelastic Demand)

जब किसी वस्तु की कीमत में परिवर्तन के फलस्वरूप उसकी मांग में कोई परिवर्तन नहीं होता, तो ऐसी मांग को पूर्णतः बेलोचदार मांग कहते हैं। $(E_d = 0)$

$$\frac{\Delta Q}{Q} = 0$$

पूर्णता लोचदार मांग (Perfectly Elastic Demand)

जब किसी वस्तु की कीमत में नगण्य परिवर्तन या बिल्कुल परिवर्तन ना होने पर भी मांग में अत्यधिक परिवर्तन होता रहता है। तब ऐसी वस्तु की मांग को पूर्णतः लोचदार मांग कहा जाता है। $(E_d = \infty)$

$$\frac{\Delta P}{P} = 0$$

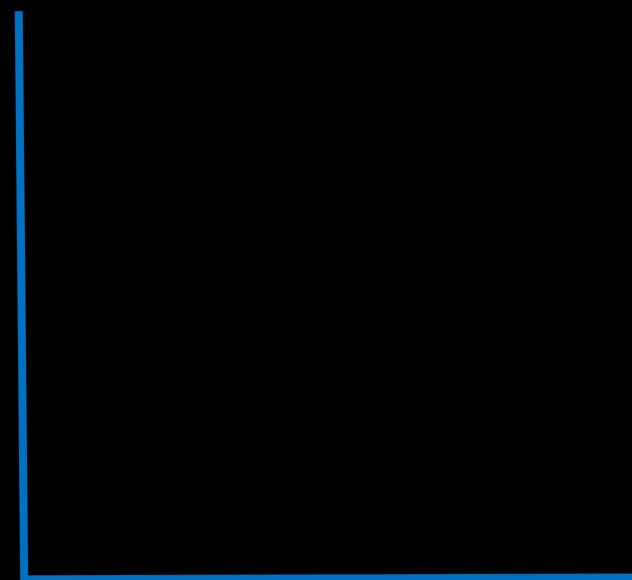

मांग की लोच को प्रभावित करने वाले घटक

वस्तु की प्रकृति:

प्रकृति के आधार पर वस्तु तीन प्रकार की होती है:

आवश्यक वस्तुएँ- बेलोचदार मांग।
आरामदायक वस्तुएँ - लोचदार मांग।
विलासिता वस्तुएँ - अत्यधिक लोचदार मांग।

स्थानापन्न वस्तुएँ:

यदि किसी वस्तु की अन्य स्थानापन्न उपलब्ध हैं तब ऐसी वस्तु की मांग लोच अत्यधिक लोचदार होगी।

वस्तु के वैकल्पिक प्रयोग:

यदि किसी वस्तु का केवल एक प्रयोग संभव है तो उसकी मांग बेलोच होगी और यदि उसके कई सारे प्रयोग संभव है तो उसकी मांग लोचदार होगी।

उपभोग स्थगन

यदि किसी वस्तु का उपभोग कुछ समय के लिए स्थगित किया जा सकता है तो उसकी मांग लोचदार होगी।

व्यय की राशि

जिन वस्तुओं पर आय का अधिक भाग व्यय किया जाता है, उनकी मांग अधिक लोचदार होती है। तथा जिन वस्तुओं पर उपभोक्ता अपनी आय का कम भाग व्यय करता है, उसकी मांग बे लोचदार होती है।

आय स्तर:

धनी व्यक्तियों की मांग बेलोचदार होती है क्योंकि कीमतों का धनी व्यक्तियों पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ता। जबकि गरीब व्यक्तियों की मांग अधिक लोचदार होती है क्योंकि उनकी मांग वस्तुओं की कीमतों से प्रभावित होती है।

कीमत स्तर मांग की लोच संबंधित वस्तुओं की कीमत स्तर पर भी निर्भर करती है। कीमत के ऊंचे स्तर पर मांग की लोच अधिक होगी, जबकि कम कीमत पर मांग की लोच कम होगी।

समयावधि

अल्पकाल में किसी वस्तु की मांग प्रयाग कम लोचदार होती है, जबकि दीर्घकाल में अपेक्षाकृत अधिक लोचदार होती है।

मांग की लोच को मापने की रीतियां

1. प्रतिशत या आनुपातिक रीति
2. कुल व्यय रीति
3. ज्यामितीय रीति

प्रतिशत या आनुपातिक रीति (Percentage or Proportionate Method)

प्रतिपादन: **फ्लक्स**

मांग की लोच का अनुमान लगाने के लिए मांग में होने वाले आनुपातिक या प्रतिशत परिवर्तन को कीमत में होने वाले आनुपातिक परिवर्तन से भाग दिया जाता है।

मांग की कीमत लोच = $\frac{\text{वस्तु की मांग में होने वाला प्रतिशत परिवर्तन}}{\text{वस्तु की कीमत में होने वाला प्रतिशत परिवर्तन}}$

$$E_d = \frac{\Delta Q}{\Delta P} \times \frac{P}{Q}$$

उदाहरण: एक वस्तु की कीमत 15% गिर जाने से उसकी मांग 1000 इकाइयों से 1200 इकाइयां हो जाती है। मांग की लोच ज्ञात कीजिये।

प्रश्न: किसी वस्तु की कीमत प्रति इकाई ₹8 से घटकर ₹5 रह जाती है, तब उपभोक्ता द्वारा वास्तु की मांग 10 इकाई से बढ़कर 16 इकाई हो जाती है। वास्तु के लिए मांग की लोच ज्ञात कीजिये ।

कुल व्यय रीति (Total Expenditure Method)

प्रतिपादन - **प्रो. मार्शल**

इस रीति में यह ज्ञात किया जाता है की वास्तु की कीमत में परिवर्तन होने से कुल व्यय में कितना और किस दिशा में परिवर्तन हुआ है ।

कुल व्यय = वस्तु की कीमत × वस्तु की मांग

इस रीति द्वारा मांग की लोच की केवल तीन श्रेणियों का आकलन किया जा सकता है:-

इकाई के बराबर मांग लोच (Ed=1)

इकाई से अधिक मांग लोच (Ed>1)

इकाई से कम मांग लोच (Ed<1)

उदाहरण:

किसी वस्तु की प्रति इकाई कीमत प्रति इकाई ₹6 से घटकर ₹3 हो जाती है। परिणामस्वरूप उसकी मांग 30 इकाई से बढ़कर 60 इकाई हो जाती है। कुल व्यय रीति से मांग की लोच ज्ञात कीजिये।

प्रश्न: ₹4 प्रति इकाई कीमत पर किसी वास्तु की बाजार मांग 100 इकाई है। कीमत बढती है और फलस्वरूप इसकी बाजार घटकर 75 इकाई रह जाती है। यदि मांग लोच 1 हो तो, नई प्रति इकाई कीमत की गणना कीजिये।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

LIKE AND **SHARE** THE CLASS LINK

SUBSCRIBE THE CHANNEL

THE ECONOMICS GURU

FOLLOW ME ON INSTAGRAM/ theeconomicsguru

FOLLOW ME ON FACEBOOK / Nakul Dhali

www.theeconomicsguru.com